नाज़ रेस्ट होम

Nazz News

Website: nazzresthome.com

खंड 1, अंक 5

60 और पेड़ रोपे गए

नाज़ रेस्ट होम परिसर में 60 से अधिक पेड़ (जिनमें ज़्यादातर बोगनवेलिया के हैं) लगाए गए, और बरामदे तथा भवन के चारों कोनों पर 6 ऊंचे बोगनवेलिया के पौधे लगाए गए। नाज़ रेस्ट होम में स्थित तालाब, जो बारिश के पानी से भरा रहता है, ने हमारे पेड़ों को बचाए रखा है क्योंकि कुएं का पानी उनके लिए बहुत हानिकारक है।

नाज़ रेस्ट होम के प्रथम विज़िटर्स

जयपुर से अनेक मित्र छाबराना आए, जैसे: अपने परोपकार के लिए प्रसिद्ध प्रिय श्री दीपक, सहायक मंडल सदस्य प्रिय बनवारी, शीराज़ से मेरे पुराने मित्र, जयपुर की स्थानीय आध्यात्मिक सभा के अध्यक्ष श्री नेजात हक़ीक़त और नाज़ रेस्ट होम में मेरे प्रिय सहयोगी तथा राजस्थान बहाई परिषद के सचिव राजेश। नाज़ परिवार की ओर से संपत जी और रामजी लाल ने पारंपरिक राजस्थानी व्यंजनों से उनका स्वागत किया जिनमें दाल बाटी चूरमा और अलाव पर पकाया गया एक व्यंजन शामिल था। हमारे मेहमानों ने इन व्यंजनों की खूब प्रशंसा की और इनका आनंद लिया।

हमने भावी आवासीय भवन के डिज़ाइन और सड़क तथा वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों जैसे अन्य मामलों पर विचार-विमर्श किया। हमें बताया गया कि जयपुर में सलाहकार के साथ हुई हालिया बैठक में मालपुरा क्षेत्र में एक नया क्लस्टर खोलने का निर्णय लिया गया है और नाज़ रेस्ट होम के प्रशासनिक भवन को गतिविधियों के केंद्र के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

नाज़ के दरवाजे पर जरूरतमंदों का लगातार आना-जाना लगा रहता है, जो मदद की गुहार लगाते हैं। गांव के ज़रूरतमंदों को कपड़े देने का निर्णय लिया गया और यहां मौजूद अपने परिवार की मदद से इस खबर को प्रसारित करने और ज़रूरतमंदों की सूची बनाने का फैसला किया गया। फिर इसे जयपुर भेजा गया ताकि हमारे मित्र आकर नाज़ रेस्ट होम में कपड़े बांट सकें। हमें इस कार्यक्रम की मेज़बानी करके बहुत खुशी हुई जिसके अंतर्गत अनाथ और ज़रूरतमंद बच्चों के बीच कपड़े और मिठाइयां बांटी गई। बच्चों ने नृत्य से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया जिससे सभी उम्र के लोगों ने प्रसन्नता से देखा। यह सब देखना सचमुच हमारे लिए सौभाग्य की बात थी।

छाबराना में स्कूल का दौरा

नाज़ रेस्ट होम के प्रतिनिधियों ने छाबराना के एक स्कूल का दौरा किया जिसमें कक्षा 1 से 12 तक के 260 छात्र पढ़ते हैं। उन्होंने स्कूल के प्रधानाचार्य और कर्मचारियों से मुलाकात की और एक रीसायक्लिंग कार्यक्रम का प्रस्ताव रखा। गांव में व्याप्त भारी मात्रा में कचरे और प्लास्टिक को हटाने की समस्या के समाधान पर चर्चा की गई। नाज़ रेस्ट होम ने छात्रों को रीसायक्लिंग योग्य सामग्री और कचरा इकट्ठा करने की प्रेरणा देने के लिए प्रोत्साहन राशि और पुरस्कारों का व्यय वहन करने की पेशकश की।

प्रथम सामुदायिक रीसायक्लिंग परियोजना समारोह

छाबराना में प्रथम रीसायक्लिंग कार्यक्रम में भाग लेने और अपने पड़ोस की साफ-सफाई करने तथा झाड़ू लगाने वाले बच्चों को पुरस्कृत करने के लिए उन्हें नाज़ रेस्ट होम में कपड़े और मिठाई के वितरण में आमंत्रित किया गया।

नाज़ में सम्पन्न की गई अन्य परियोजनाएं

दूसरा शौचालय (भारतीय शैली) बनकर तैयार हो चुका है और इमारत के किनारे स्थित भंडारण क्षेत्र को जल्द ही बंद करके रंग-रोगन कर दिया जाएगा। इसके बाद छत तक जाने वाली सीढ़ियों पर केवल रेलिंग लगाने का काम बाकी रह जाएगा।

जलाशय का विस्तार

तालाब को विस्तारित करके एक झील का रूप दिया गया है जिसके मध्य में एक द्वीप है। इस कार्य को पूरा करने के लिए श्रमिकों ने दिन-रात खुदाई करते हुए 200 ट्रक मिट्टी हटाई। हटाई गई मिट्टी का उपयोग बाढ़ से बचाव के लिए भवन के चारों ओर की भूमि का स्तर दो फीट ऊंचा करने के लिए किया गया।

छाबराना गांव के मित्रों के साथ बहाई मंदिर की यात्रा

राजस्थान में अपने दो महीनों के दौरान किए गए सभी कार्यक्रमों को सम्पन्न करने के बाद, हमें छाबराना गांव के अपने कुछ मित्रों के साथ दिल्ली स्थित "कमल मंदिर" (बहाई उपासना गृह) जाने का अवसर मिला।

अब नाज़ रेस्ट होम में पक्षियों और मछलियों की क्रीड़ा के लिए एक छोटी सी झील है जिसमें जमा वर्षा-जल का उपयोग पेड़ों की सिंचाई के लिए किया जाता है।

नाज़ भवन का प्रारंभिक अस्थायी डिज़ाइन

हमें खुशी है कि AI की बदौलत हमें नाज़ रेस्ट होम में वृद्धजनों के लिए आवास के निर्माण की दिशा में एक अस्थायी, सामान्य समझ प्राप्त हो गई है। निस्संदेह, यह केवल एक आरंभिक रूपरेखा है और इसमें कई बदलाव होंगे, लेकिन कम से कम हमें इसका एक अच्छा अनुमान तो मिल ही गया है।

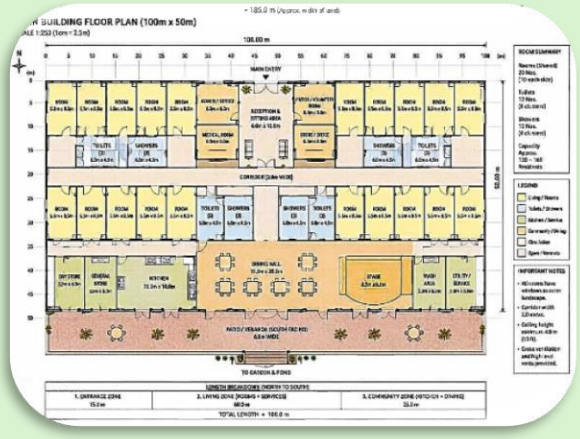

छत पर एक पारम्परिक आश्रय

छत पर एक पारम्परिक झोपड़ी का निर्माण कार्य लगभग सम्पन्न होने को है।

नाज़ का फोटो एल्बम

नोट:

जो लोग नाज़ न्यूज़ के पिछले अंकों को नहीं पढ़ पाए, उनके लिए नाज़ रेस्ट होम के मुख्य लक्ष्यों और सपनों – और साथ ही चुनौतियों – का विवरण नीचे दिया जा रहा है।

पहला चरण

इस चरण में कुछ निम्नांकित कार्य किए जाने हैं:

- लगभग 7 एकड़ (7 बीघा) भूमि की खरीद (कार्य पूर्ण)
- बाड़ लगाना और उसे मजबूत बनाना (कार्य पूर्ण)
- सैकड़ों पेड़ लगाना (400 से अधिक पेड़ लगाए जा चुके हैं)
- गहरा कुआं और एक वॉटर पंप लगाना (कार्य पूर्ण)
- स्थल तक जाने वाली सड़क को बेहतर बनाना (आंशिक रूप से पूर्ण)
- और अंत में, रहने, बैठकें करने और अन्य गतिविधियों के लिए रसोई और बाथरूम सहित दो शयनकक्षों वाला एक आवास बनाना (कार्य पूर्ण)

इसके बाद, हम परियोजना के सभी पहलुओं पर शोध करने के लिए वक्त निकालेंगे। इस दौरान, पेड़ बढ़ेंगे और लैंडस्केपिंग भी बेहतर होगा।

दूसरा चरण

हमारा लक्ष्य है कि निवासियों के लिए लगभग 25 कमरे हों (यह कई बातों पर निर्भर है और काम थोड़ा जटिल हो सकता है और अंततः 100 कमरे तक हो सकते हैं)। साथ ही रसोई, भोजन कक्ष, मनोरंजन कक्ष, फिजियोथेरेपी कक्ष, भंडारण कक्ष आदि जैसी अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध हों।

बुजुर्गों की सुरक्षा और उन्हें समुदाय में समाहित करने के लिए सेवा संचालन और प्रदान करने के कई पहलुओं पर हमें शोध करने की आवश्यकता है। हमें सौर पैनल, फिल्ट्रेशन सिस्टम, सीवेज प्रणाली, बिजली और जल आपूर्ति सहित टिकाऊ विकास पद्धति का ध्यान रखना होगा। इसके अलावा, हमें डॉक्टरों, फिजियोथेरेपिस्टों और मानव संसाधन जैसी अन्य सम्बंधित सेवाओं के बारे में भी विचार करना होगा।

हमें ग्रामीणों और स्थानीय विद्यालय के साथ सुदृढ़ सम्बंध स्थापित करने की जरूरत है। पेड़ों से प्राप्त फल पूरे गांव के लिए हैं क्योंकि इस परियोजना के भागीदार सभी लोग हैं।

हम उत्साहित होने के साथ-साथ थोड़े चिंतित भी हैं और प्रार्थना करते हैं कि आने वाली चुनौतियों से पार पाने में हमें परमात्मा का मार्गदर्शन प्राप्त हो।

अभी हमने बिजली कनेक्शन के लिए एक कक्ष का निर्माण किया है जिसमें अल्पकालिक रूप से रहने के लिए सीमित जगह उपलब्ध है जिसका इस्तेमाल हम रहने, बागवानी करने और सामाजिक गतिविधियों के लिए कर सकते हैं।

हमें विभिन्न नियमों और विनियमों के बारे में अधिकारियों से परामर्श करना होगा और नौकरशाही की कुछ प्रक्रियाओं से गुजरना होगा। इन सभी चुनौतियों में कुछ समय लग सकता है और आशा है कि तब तक फलदार पेड़ पक जाएंगे और परिदृश्य सुंदर हो जाएगा।

हमें इस स्थान के लगातार संचालन, पर्यावरण संरक्षण और चबराना गांव, जहां नाज़ रेस्ट होम स्थित है, को बेहतर बनाने में योगदान देने के तौर-तरीकों पर भी ध्यान देना होगा।

बहुत-सी चीजें बदल सकती हैं, और कभी-कभी हम बहुत ही भावनात्मक महसूस करते हैं, लेकिन फिर हमें याद आता है कि ईश्वर ने हमारे लिए सभी बंद दरवाजे खोले हैं।

हमारे लक्ष्य और सपने नीचे दिए गए हैं जिन्हें हम अपने साथियों और भागीदारों की मदद से हासिल करने की आशा करते हैं और जिनके लिए हमें ईश्वरीय सहायता की अत्यधिक आवश्यकता होगी:

आशाएं और सपने

- योग्य उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया तैयार करना
- समुदाय में विभिन्न पीढ़ियों के साथ एकीकरण की प्रक्रियाओं विचार करना
- नाज़ रेस्ट होम और समुदाय में मनोरंजन कार्यक्रमों की योजना बनाना और उन्हें क्रियान्वित करना
- पोषण और स्वास्थ्य देखभाल के अन्य क्षेत्रों के विशेषज्ञों से परामर्श
- एकीकरण प्रक्रिया (संभवतः भ्रमण) का हिस्सा बनने के लिए आगंतुकों को आकर्षित करने हेतु नाज़ रेस्ट होम उद्यान का सौंदर्यीकरण
- सुरक्षा, निगरानी और टिकाऊपन के लिए अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी (बगीचों के लिए अपशिष्ट जल का फिल्ट्रेशन, सौर पैनल, पानी बचाने के तरीके, आदि)
- वित्तीय कार्यप्रणाली और टिकाऊपन के लिए बजट और योजनाएं
- निवासियों और कर्मचारियों के लिए परिवहन की व्यवस्था
- संचार के साधनों का निर्माण और जनसंचार माध्यमों (मास मीडिया) का उपयोग
- उपचार की विभिन्न विधियों का उपयोग, जैसे पारंपरिक, आधुनिक और वैकल्पिक चिकित्सा
- औषधीय पौधों का उद्यान विकसित करना
- निवासियों के लिए आध्यात्मिक माहौल बनाने पर जोर देना
- निवासियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए व्यक्तिगत योजना और लोचशीलता
- भारत और विदेश से ऐसे पेशेवरों और विशेषज्ञों को अतिथि के रूप में आमंत्रित करना जो स्वयंसेवक के रूप में सेवाएं दे सकें
- नाज़ रेस्ट होम में काम करने के लिए स्थानीय लोगों का शिक्षण-प्रशिक्षण
- स्थानीय प्राधिकारियों और सरकारी विभागों के साथ अच्छा सम्बंध बनाए रखना
- स्थानीय लोगों द्वारा स्वामित्व के लक्ष्य को ध्यान में रख कर सशक्तिकरण कार्यक्रमों के माध्यम से गांव में जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में योगदान देना
- जनसंचार माध्यमों की सहायता से बाहरी दुनिया को चबराना गांव की सुन्दरता और सरल जीवन से परिचित कराना
- नाज़ रेस्ट होम में उगाए गए फलों और सब्जियों को धर्मार्थ संस्थाओं, स्थानीय स्कूल और गांव के निवासियों में वितरित करने की योजना बनाना।
- बगीचों और भवनों के रखरखाव और विकास के कार्य में स्थानीय लोगों को सहभागी बनाना।
- निवासियों और आगंतुकों के लिए एक टिकाऊ और आरामदायक भवन की रूपरेखा की अत्याधुनिक योजना तैयार करने के लिए वास्तुकारों से परामर्श करना

- नाज़ रेस्ट होम को बच्चों की कक्षाओं, किशोर समूहों, सम्मेलनों और ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन स्कूल आयोजित करने के लिए एक आदर्श स्थान बनाने का प्रयास करना।
- नाज़ रेस्ट होम के संचालन की दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए दान और योगदान हेतु एक न्यास निधि (ट्रस्ट फंड) बनाने की संभावना तलाशना
- समुचित वित्तीय लेखांकन (एकाउंटिंग) की पद्धतियां तैयार करना तथा बिलों, प्राप्तियों और वेतन इत्यादि के भुगतान की जांच
- प्रभुधर्म के लक्ष्यों की पूर्ति के लिए मार्गदर्शन और आध्यात्मिक सहायता प्राप्त करने के लिए प्रभुधर्म की सभी संस्थाओं से परामर्श करना
- विदेश से आने वाले उन आगंतुकों के लिए कुछ कमरे अलग से सुरक्षित रखना जिन्होंने यहां आकर स्वयंसेवा करने तथा सीमित समय तक रहने, अपनी सेवाएं देने तथा ठहरने का खर्च वहन करने की इच्छा व्यक्त की है।

ईश्वर इस स्वप्न को साकार करने में हमारी सहायता करें!

पूछताछ के लिए, सम्पर्क करें: bshams@telus.net या हमारी वेबसाइट देखें: nazzresthome.com